वर्ष 1 · अंक **12**
जयपुर, रविवार, 1 नवम्बर 2026
सप्ताह 26 अक्टूबर – 1 नवम्बर 2026

The Consulting Crew
GST · इनकम टैक्स · ROC · पेरोल · सलाह
क्लाइंट्स और दोस्तों के लिए मुफ़्त

THE CONSULTING CREW

आज के समाचार

BUSINESS WEEKLY

हर खबर जो आपके बिज़नेस के काम आए

GST (अक्तूबर)	आयात वाला हिस्सा	कोर सेक्टर	निफ्टी 50	ब्रेंट	अगली तारीख़
₹2.31 lk cr	+42.2%	7.9%	23,053.10	~$113	7 Nov
▲ +22.9%, चार साल में सबसे तेज़	▲ घरेलू सिर्फ़ +15.8%	▲ सितम्बर, 30 महीने का शिखर	▲ हफ़्ते में +2.6%	▼ $116.72 से नरम	TDS, दिवाली से पहले

इस अंक में

1 GST · 2 टैक्स · 3 GST · 4 कर्ज़ · 5 उत्पादन · 6 व्यापार · 7 राजस्थान · 8 संदर्भ · + ज़रूरी तारीख़ें

बड़ी खबर · GST

₹2.31 लाख करोड़ — और आयात वाला हिस्सा तीन गुना तेज़ी से बढ़ा

अक्तूबर का संग्रह चार साल से ज़्यादा में सबसे तेज़ बढ़ा है। घरेलू राजस्व 15.8% बढ़ा; आयात पर का राजस्व 42.2%। इन दोनों का फ़र्क़ ही इस महीने का तेल बिल है, जो टैक्स बनकर आया है।

1 नवंबर को जारी · सकल ₹2.31 लाख करोड़, +22.9% · शुद्ध +25.6%

कुल आँकड़ा सुर्ख़ी है, और और ख़बर उसका बँटवारा है। अक्तूबर का सकल GST संग्रह क़रीब **₹2.31 लाख करोड़** रहा, साल भर पहले से **22.9%** ऊपर और चार साल से ज़्यादा में सबसे तेज़ बढ़त; refund घटाकर शुद्ध रूप से यह **25.6%** बढ़कर क़रीब **₹2.03 लाख करोड़** हुआ। इस एक आँकड़े के नीचे दो बिलकुल अलग टाँगें हैं। घरेलू राजस्व **15.8%** बढ़कर **₹1,59,044 करोड़**। **आयात** से राजस्व **42.2%** बढ़ा — क़रीब तीन गुना तेज़।

आयात पर टैक्स का 42% उछाल अपने आप में तेज़ अर्थव्यवस्था का सबूत नहीं है। आयात पर IGST landed value पर लगता है, तो landed value बढ़े तो टैक्स भी बढ़ेगा — चाहे एक भी अतिरिक्त कंटेनर न आया हो। यह अख़बार दो अंक इसी पर लगा चुका है कि ब्रेंट 2 अक्तूबर के **$102.70** से 23 को **$116.72** हुआ और फिर 30 को क़रीब **$113** पर आया। यह वही घटना है, दूसरे मीटर पर पढ़ी हुई। देश वही चीज़ें महँगी क़ीमत पर ख़रीद रहा है, और ख़ज़ाना उस बढ़ोतरी का प्रतिशत वसूल रहा है।

आयात करने वाले कारोबार के लिए इसका नतीजा टैक्स का नहीं, working capital का है — और चूक आसानी से हो जाती है क्योंकि टैक्स आख़िर में लौट आता है। बंदरगाह पर चुकाया IGST creditable है, तो 42% बड़ा भुगतान यानी आपका 42% बड़ा पैसा bill of entry और set-off वाले महीने के बीच सरकार के पास पड़ा रहता है। कुछ गया नहीं; समय खिसका है। अगर आपके आयात की मात्रा वही है और IGST का ख़र्च तेज़ी से ऊपर, तो वह फ़र्क़ सोख लेने वाली लागत की लाइन नहीं है — वह नक़दी है जिसे पिछले साल से तीन से छह हफ़्ते ज़्यादा चलाना होगा, उस तिमाही में जब चलाना ही मुश्किल हुआ है।

> **आपको क्या करना है**
>
> पिछले तीन महीनों का **आयात पर चुकाया IGST** निकालिए और उसे उन्हीं तीन महीनों की आयात मात्रा के सामने रखिए — मूल्य के नहीं। अगर रुपये मात्रा से कहीं ज़्यादा बढ़े हैं, तो आप विकास नहीं, क़ीमत चला रहे हैं — और यह बात accountant से टैक्स की नहीं, बैंकर से working capital चक्र की है। दो काम की बातें: पक्का कीजिए कि credit उसी महीने लिया जा रहा है जिस महीने वह उपलब्ध होता है, उस महीने नहीं जब कोई मिलान करता है; और अगर आपके पास बिना इस्तेमाल की मंज़ूर limit पड़ी है, तो यही वह तिमाही है जब वह फ़ालतू नहीं रहती।

टैक्स · 31 के बाद

शनिवार चूक गए तो मीटर रविवार से चल पड़ा। 30 से पहले भर दीजिए

s.234A / 234B / 234C · महीने का हिस्सा भी पूरा महीना गिना जाता है

कुछ नहीं बढ़ा, और जो तीन चीज़ें इस अख़बार ने **31 अक्तूबर** पर रखी थीं, वे देय हुईं और देय ही रहीं। कोई circular नहीं आया। अगर **Q2 का TDS statement** चला गया, जहाँ section 92E लागू है वहाँ **Form 3CEB** भर गया, और ₹1 लाख से ऊपर का **self-assessment tax** चुक गया — तो आपके लिए यहाँ कुछ नहीं है और अगली तारीख़ **21 नवंबर** है। अगर इनमें से एक छूट गया, तो यहाँ से का हिसाब ठीक से जानना चाहिए, क्योंकि तीनों के लिए वह एक जैसा नहीं है।

घड़ी सिर्फ़ बिना चुकाए टैक्स पर चलती है। **Section 234A** return देय होने पर बक़ाया टैक्स पर 1% महीना लगाता है, और **section 234B** advance tax की कमी पर 1% महीना — और दोनों में **महीने का कोई भी हिस्सा पूरा महीना** गिना जाता है। यही एक नियम वजह है कि काम करने की तारीख़ 21 नवंबर नहीं, **30 नवंबर** है: 1 दिसंबर को किया भुगतान, एक दिन पहले किए भुगतान के मुक़ाबले, दोनों धाराओं पर पूरे एक महीने का अतिरिक्त ब्याज लेता है। देर से भरा **Form 3CEB** अलग चीज़ है: section **271BA** में **₹1,00,000** का जुर्माना है, और वह ब्याज नहीं जुर्माना है — इसलिए समय के साथ बढ़ता नहीं, मगर जल्दी भरने से घटता भी नहीं।

जो बात लोगों को फँसाती है वह यह है कि देर से भुगतान करने से देर से भरने की छूट नहीं मिल जाती। 234A का ब्याज return देने तक चलता है, तो जो कारोबार टैक्स नवंबर में भरे और return जनवरी में, वह उस अंतर पर 234A चुकाता ही रहेगा। भुगतान और filing दो अलग काम हैं, दो अलग घड़ियों के साथ — और सबसे सस्ता क्रम यह है कि जिस महीने पता चले कि देर हो गई, उसी महीने के ख़त्म होने से पहले दोनों कर दें। यहाँ कोई चालाकी उपलब्ध नहीं है — सिर्फ़ वह हिसाब है जो एक-एक पूरे महीने के हिसाब से बिगड़ता है।

> **आपको क्या करना है**
>
> अगर self-assessment का भुगतान 30 को नहीं गया, तो इसी हफ़्ते कीजिए — 21 को return के साथ नहीं। ब्याज पूरे महीनों में गिना जाता है, इसलिए **30 नवंबर** का भुगतान और 1 दिसंबर का भुगतान दो अलग धाराओं पर पूरे एक महीने का फ़र्क़ रखते हैं। क्रम तय करने से पहले अपने accountant से 234A और 234B का हिसाब *आज की तारीख़ में*, रुपयों में माँगिए। ज़्यादातर लोगों को पता चलता है कि रक़म या तो इतनी छोटी है कि चिंता छोड़ दें, या इतनी बड़ी कि इसी हफ़्ते भर दें; महँगा हिस्सा दोनों हाल में अंदाज़ा लगाना ही है।

ज़रूरी तारीख़ें

नवंबर – दिसंबर 2026

7 नव — 6 दिन बाकी
TDS जमा
अक्तूबर का। 6 को ही कर दीजिए — अगले दिन दिवाली है

8 नव — 7 दिन बाकी
दिवाली · मुहूर्त कारोबार
रविवार का सत्र, दोपहर 2:20–3:30, उनहत्तर साल में पहली बार दोपहर को। संवत 2083

11 नव — 10 दिन बाकी
GSTR-1
अक्तूबर, मासिक भरने वाले

12 नव — 11 दिन बाकी
अक्तूबर का CPI
deadline नहीं। पहला खुदरा आँकड़ा जिसमें अक्तूबर का कच्चा तेल होगा

15 नव — 14 दिन बाकी
TDS certificates — Q2
deductees को Form 16A

16 नव — 15 दिन बाकी
अक्तूबर का WPI
deadline नहीं। उसी सवाल का थोक वाला हिस्सा

20 नव — 19 दिन बाकी
GSTR-3B
अक्तूबर, मासिक भरने वाले

21 नव — 20 दिन बाकी
ITR — ऑडिट वाले
234A का ब्याज return देने तक चलता है

30 नव — 29 दिन बाकी
ITR — transfer pricing
s.92E वाले मामले। सस्ते ब्याज वाले महीने का आख़िरी दिन भी

4 दिस — 33 दिन बाकी
MPC का फ़ैसला
बैठक 2–4 दिसंबर। कुछ अर्थशास्त्री बड़े क़दम की उम्मीद कर रहे हैं

7 दिस — 36 दिन बाकी
TDS जमा
नवंबर का

11 दिस — 40 दिन बाकी

GSTR-1
नवंबर, मासिक भरने वाले

20 दिस — 49 दिन बाकी

GSTR-3B
नवंबर, मासिक भरने वाले

ये आम तारीख़ें हैं। सरकार आगे बढ़ाए तो अगले अंक में बता देंगे। टर्नओवर और राज्य के हिसाब से फ़र्क़ पड़ता है — भरोसा करने से पहले एक बार पूछ लीजिए।

सारी तारीख़ें कैलेंडर में डालें

TCC की सलाह

इस हफ़्ते ये तीन काम कर लीजिए

1. **31 अक्तूबर चूक गई है तो पैसा नवंबर के भीतर चलाइए।** 234A और 234B में महीने का हिस्सा भी पूरा महीना गिना जाता है, इसलिए **30** का भुगतान और 1 दिसंबर का भुगतान दोनों धाराओं पर पूरे एक महीने से अलग हैं। आज ही हिसाब रुपयों में माँगिए और आँकड़े से तय कीजिए, एहसास से नहीं।

2. **आयात का IGST मूल्य से नहीं, मात्रा से मिलाइए।** अक्तूबर में आयात पर टैक्स **42.2%** बढ़ा, घरेलू **15.8%**। अगर आपके रुपये मात्रा से कहीं ज़्यादा बढ़े हैं, तो आप क़ीमत चला रहे हैं — यह बैंकर से working capital की बात है, और करने की तिमाही यही है।

3. **पहले पखवाड़े का काम दिवाली से पहले। 7 नवंबर** का TDS और **11 नवंबर** की GSTR-1 छुट्टी के दोनों तरफ़ हैं; 6 और 10 को भर दीजिए। और हर महीने का reminder लगाइए कि RIICO portal ख़ुद खोलें — अक्तूबर के भीतर दो और खिड़कियाँ खुलीं और बंद हुईं, हर एक तीन हफ़्ते से कम में।

GST · चौबीस दिन बाद

रिकॉर्ड संग्रह को सुधारों के काम करने का सबूत बताया जा रहा है। कोई सुधार लागू ही नहीं है

57वीं काउंसिल 8 अक्तूबर · अब तक अधिसूचनाएँ: एक भी नहीं

दो बातें एक साथ सच हैं, और और इन्हें आमने-सामने रखना ही इस लेख का पूरा काम है। अक्तूबर का GST संग्रह चार साल से ज़्यादा में सबसे तेज़ी से बढ़ा। और 57वीं काउंसिल की बैठक के **चौबीस दिन** बाद उसकी एक भी सिफ़ारिश अधिसूचित नहीं हुई है। दोनों बातें सही हैं, और दूसरी का मतलब है कि पहली उन सुधारों का सबूत हो ही नहीं सकती। अक्तूबर में ₹2.31 लाख करोड़ जिस वजह से आए, वह न गिरफ़्तारी का अधिकार हटना था, न मुक़दमे की सीमा ₹5 करोड़ होना, न सामान्य जुर्माना ₹10,000 होना, न कर्मचारियों के बीमा पर credit लौटना — क्योंकि इनमें से कुछ भी क़ानून नहीं है।

यह भ्रम हानिरहित नहीं है, और उसकी एक ख़ास शक्ल है। कारोबार पढ़ता है कि संग्रह रिकॉर्ड पर है और काउंसिल ने व्यवस्था सुधार दी है, नतीजा निकालता है कि माहौल ढीला हो गया, और थोड़ा खुलकर चलने लगता है — बीमा वाला credit ले लेता है, नोटिस का जवाब कम सावधानी से देता है, मिलान एक महीना टल जाने देता है। इनमें से हर फ़ैसला उस नियम के ख़िलाफ़ है जो बदला ही नहीं। 8 अक्तूबर के बाद CBIC ने जो एक चीज़ जारी की है वह 9 अक्तूबर के **FAQ** हैं, और वे FAQ ख़ुद कहते हैं कि ज़्यादातर बातें सिफ़ारिशें हैं या CGST Act, Rules, IGST Act और दर-अधिसूचनाओं में *प्रस्तावित* संशोधन।

एक तारीख़ सामने रखिए और यह बात आपको दोबारा नहीं पकड़ेगी। returns में liability और ITC के mismatch सुधारने की व्यवस्था — जिसे सबसे ज़्यादा राहत बताकर छापा गया — **अप्रैल 2027** की return अवधि से प्रस्तावित है। अठारह महीने। इतनी दूर की तारीख़ वाला सुधार एक योजना है, और योजना बनाना काउंसिल का पूरी तरह सम्मानजनक काम है; बस वह ऐसी चीज़ नहीं है जिसके भरोसे आप इस महीने भरी जाने वाली return में दावा कर सकें।

कर्ज़ · दो हाथ

RBI रातभर के लिए उधार दे रहा है और बॉन्ड बेच रहा है। दोनों एक ही नीति हैं

₹25,000 करोड़ की बॉन्ड बिक्री · रोज़ाना CRR की ऊँची शर्त · VRR नीलामियाँ

देखने में उल्टा लगता है, और और है नहीं। पिछले हफ़्ते इस अख़बार ने बताया था कि RBI ने repo नीलामियों से बैंकिंग सिस्टम में **₹2 लाख करोड़** डाले, जबकि उसका रुख calibrated tightening है। इस हफ़्ते दूसरा हाथ दिख रहा है: **₹25,000 करोड़** की प्रस्तावित बॉन्ड बिक्री और **रोज़ाना CRR** बनाए रखने की ऊँची शर्त — दोनों पैसा बाहर निकालते हैं। दोनों में टकराव नहीं है क्योंकि वे अलग-अलग पैसे पर काम करते हैं। variable rate repo रातभर या कुछ दिनों के लिए नक़दी देता है और वापस ले लेता है; खुले बाज़ार की बॉन्ड बिक्री और रोज़ाना का सख़्त reserve स्तर वह **टिकाऊ** नक़दी हटाते हैं जो अगले हफ़्ते लौटती नहीं।

इस तरह पढ़ें तो संकेत साफ़ है और दोस्ताना नहीं है: बैंक चाहता है कि रातभर का बाज़ार आराम से निपटे और पैसे की ढाँचागत लागत बढ़े। बॉन्ड बाज़ार ने बात पकड़ ली है। अलग-अलग स्रोत **30 अक्तूबर** को **10 साल की यील्ड 7.375% से 7.43%** के बीच बताते हैं — 23 के लिए इस अख़बार के छापे 7.474% से नरम, और लंबे अरसे में यह पहला हफ़्ता है जब वह नीचे आई। यह याद भी दिलाता है कि हफ़्ते का आँकड़ा हफ़्ते का ही होता है। **ICICI Bank** नज़दीकी अवधि में 7.40% से 7.60% देखता है। एक और आँकड़ा साथ रखने लायक़ है: भारत–अमेरिका की यील्ड का फ़ासला घटकर क़रीब **205 आधार अंक** रह गया है, 22 साल के निचले स्तर के पास — और यही तय करता है कि विदेशी पैसे को भारतीय क़र्ज़ रखने लायक़ लगता है या नहीं।

टिकाऊ नक़दी निकलने का असर छोटे कर्ज़दार पर दर की सूची में नहीं, renewal की फ़ाइल में दिखता है — और इसी तिमाही दिखता है। जिन बैंकों के पास टिकाऊ पैसा कम है वे drawing power पर सख़्त हो जाते हैं, बढ़ोतरी में धीमे, और अधूरी फ़ाइल ढोने को बहुत कम तैयार। त्योहारी पखवाड़ा — दिवाली **8 नवंबर** को है — महीने के बीच से कामकाजी दिन निकाल देता है, ठीक उसी वक़्त जब दबाव

आपको क्या करना है

इस महीने की filing में कुछ नहीं बदलता — और यही नतीजा है, नतीजे की ग़ैरहाज़िरी नहीं। अगर आपके दफ़्तर में किसी ने — या आपके software वाले ने — 8 अक्तूबर के बाद **कर्मचारियों के health और life insurance** पर credit खोल दिया है, तो उसे अगले साल नोटिस पर नहीं, इसी हफ़्ते अपने हाथ से पलट दीजिए। फिर हर महीने के पहले कामकाजी दिन का reminder लगाइए कि CBIC का notifications पन्ना ख़ुद खोलें, उसका सारांश नहीं। काउंसिल की सिफ़ारिश और अधिसूचना के बीच का फ़ासला अभी चौबीस दिन है और चल रहा है; पहले यह एक साल भी रहा है।

चरम पर होता है। नए साल से पहले जो भी renewal या enhancement चाहिए, उसे शुरू करने का हफ़्ता यही है, दिसंबर का पहला नहीं।

आपको क्या करना है

अगले तीन हफ़्तों को खिड़की मानिए और दिवाली के बाद वाले को गया हुआ। नवंबर और दिसंबर के stock और debtor statements बिना माँगे देय तारीख़ पर दीजिए — जिस तिमाही में सिस्टम के पास टिकाऊ पैसा कम है, उसमें वही फ़ाइल चलती है जो पूरी है और अधूरी बस इंतज़ार करती है। अगर आपके पास मंज़ूर limit है जो निकाली नहीं, तो त्योहारी छुट्टी के बाद नहीं, पहले शाखा को फ़ोन कीजिए: बिना इस्तेमाल की limit पर बात जनवरी में नई limit माँगने से कहीं आसान है।

व्यापार · भारत–अमेरिका

अड़चन का नाम आख़िरकार सामने है: मक्का, बादाम और सोयाबीन तेल

गोयल, 29 अक्तूबर · संयुक्त किसान मोर्चा · नवंबर में प्रदर्शन तय

आठ महीने तक अड़चन अमूर्त थी, और और इस हफ़्ते उसे एक जनाधार मिल गया। वाणिज्य मंत्री **पीयूष गोयल** ने **29 अक्तूबर** को कहा कि भारत किसानों के हित से समझौता नहीं करेगा और सौदा पक्का होने पर मज़बूत बढ़त की उम्मीद है, और दिल्ली पहला चरण लगभग तय कर चुकी है। उनके सामने **संयुक्त किसान मोर्चा** — सौ से ज़्यादा किसान संगठनों का गठजोड़ — कह रहा है कि यह समझौता **मक्का, बादाम और सोयाबीन तेल** पर tariff घटाने के बदले किसानों की बलि देता है, और उसने **नवंबर** भर प्रदर्शन की बात कही है। इस बातचीत में पहली बार अटकाव का नाम लिया जा सकता है।

यह उस निर्यातक के लिए क्यों मायने रखता है जो इनमें से कुछ नहीं बेचता: अमूर्त बात पर अटकी बातचीत एक फ़ोन से खुल सकती है, घरेलू राजनीतिक गठजोड़ पर अटकी नहीं खुलती। पहले की भाषा से समय का कुछ पता नहीं चलता था — **रुबियो** ने 19 अक्तूबर को 99% और महीनों नहीं हफ़्तों कहा, **ट्रंप** ने 20 को “काफ़ी क़रीब”, और वित्त मंत्री ने 5 अक्तूबर को पठार बताया था। अब देखने के लिए ठोस चीज़ है, और देखना यह है कि नवंबर के प्रदर्शन कृषि वाली लाइनों पर भारत का रुख बदलते हैं या नहीं।

दस्तख़त कहीं नहीं हुए, और यह अख़बार अब भी tariff की कोई दर नहीं छापता। पाँच बचाव-योग्य आँकड़े चल रहे हैं: फ़रवरी के framework में 25% और फिर 18%, Supreme Court का reciprocal tariffs गिराना, कुछ उत्पादों पर executive order से 10%, और एक ही स्रोत के हवाले से Section 122 के तहत सार्वभौमिक 15%। इस हफ़्ते छठा नहीं आया — आठ महीने बाद यह भी एक तरह की ख़बर है। हिदायत पाँचों को झेल गई है और छठे के न आने पर निर्भर नहीं है।

उत्पादन · कोर सेक्टर

कोर उत्पादन 30 महीने के शिखर पर, और खाद 11.7% नीचे

आठ कोर उद्योगों का सूचकांक, सितम्बर · 22 अक्तूबर को जारी · 7.9%

एक आँकड़े को सुर्ख़ियाँ मिलीं, और और उसके नीचे के आठ ज़्यादा काम के हैं। सितम्बर में कोर सेक्टर का उत्पादन **7.9%** बढ़ा, अगस्त के संशोधित 5.9% के मुक़ाबले — तीस महीने का शिखर; और अप्रैल से सितम्बर का संचयी आँकड़ा **5.1%** है, साल भर पहले के 2.5% के सामने। यह सचमुच की तेज़ी है। मगर यह सूचकांक आठ उद्योगों का है, अर्थव्यवस्था का नहीं — और वे आठ साथ नहीं चले: **लौह अयस्क +18.4%**, **बिजली +11.4%**, **कोयला +10.7%**, **रिफ़ाइनरी उत्पाद +10.3%**, **सीमेंट +9.8%** — और दूसरी तरफ़ **खाद −11.7%**, **प्राकृतिक गैस −4.6%** तथा **कच्चा तेल −1.4%**।

इन्हें क़तार में रखिए तो शक्ल बेतरतीब नहीं, एक जैसी है। बढ़ रहा है भारी, घरेलू, ढाँचे वाला सिरा — अयस्क, बिजली, कोयला, सीमेंट। घट रहा है ऊर्जा का वह हिस्सा जो भारत ख़ुद निकालता है, कच्चा तेल और गैस — और यह वही बात है जो बड़ी ख़बर वाले कॉलम में आयात बिल कहता है, बस आपूर्ति की तरफ़ से पढ़ी हुई: घरेलू उत्पादन नीचे, landed लागत ऊपर, आयात का IGST 42.2% ऊपर। बनाने वाले के लिए काम का पाठ यह है कि मज़बूती आपके **input** उद्योगों में और निर्माण की माँग में है — जिससे उन लाइनों के ऑर्डर बुक का पता चलता है और उपभोक्ता माँग का लगभग कुछ नहीं।

खाद वाले आँकड़े को अपना वाक्य चाहिए, क्योंकि वह जिन पर गिरता है उनकी वजह से। एक महीने में 11.7% की गिरावट हिसाब की गोलाई नहीं है, और यह रबी की बुवाई के मौसम में आई है — ऐसे राज्य में जहाँ छोटे उद्योग की बहुत सारी माँग खेत की कमाई के नीचे बैठी है। राजस्थान के मैन्युफैक्चरिंग पाठक खाद नहीं ख़रीदते, मगर उनमें से अच्छी-ख़ासी तादाद उन्हें बेचती है जिनका साल उसी पर टिका है। जनवरी तिमाही के लिए गाँव की तरफ़ वाला स्टॉक बनाने से पहले अगला आँकड़ा देख लेना बेहतर है।

आपको क्या करना है

शिपमेंट की तारीख़ पर लागू duty के हिसाब से quote कीजिए और contract में लिख दीजिए — वही दो वाक्य जो यह अख़बार तीन अंक से छाप रहा है। इस महीने की नई बात समय की है: अगर आपने कोई अमेरिकी ऑर्डर इस उम्मीद में रोक रखा है कि सौदा हो जाएगा और duty गिरेगी, तो नवंबर का प्रदर्शन कैलेंडर इंतज़ार छोड़ने और clause के भरोसे भेज देने की वजह है। किसान राजनीति पर अटका सौदा तयशुदा समय पर नहीं उतरता, और त्योहारी तिमाही भर बिना भेजे पड़ा ऑर्डर आपको उस tariff के फ़र्क़ से ज़्यादा महँगा पड़ता है जिसका इंतज़ार था।

आपको क्या करना है

अपने ऑर्डर बुक को उन्हीं दो हिस्सों में बाँटिए जो इस सूचकांक ने अभी अलग किए। अगर आप निर्माण, बिजली या धातु में बेचते हैं, तो सितम्बर का आँकड़ा कहता है कि आपकी लाइन के पीछे की माँग साल भर पहले से सचमुच मज़बूत है और जनवरी तिमाही के लिए स्टॉक बनाना बचाव-योग्य है। अगर आप गाँव या उपभोक्ता को बेचते हैं, तो इन आठ उद्योगों में कुछ भी उसका समर्थन नहीं करता और खाद की गिरावट उसके ख़िलाफ़ बोलती है। कच्चे तेल पर: वह $116.72 से नरम होकर क़रीब **$113** पर आया है, जो उस $102.70 से अब भी क़रीब **10% ऊपर** है जिस पर सितम्बर का लागत आँकड़ा लिया गया था — यानी तीन अंक से जिस ईंधन clause पर यह अख़बार ज़ोर दे रहा है वह अब भी सही औज़ार है, और अब वह उस दिशा में बचा रहा है जिसकी योजना कोई नहीं बनाता।

बाज़ार

30 अक्तूबर 2026 तक का हफ़्ता · पाँच कारोबारी दिन

सूचकांक	बंद भाव	हफ़्ता
Nifty 50	23,053.10	+2.6%
Sensex	74,459.53	+1.8%

चढ़ने वाला हफ़्ता: निफ्टी शुक्रवार को **23,053.10** पर और सेंसेक्स **74,459.53** पर बंद हुआ, और अक्तूबर दो महीने के घाटे का सिलसिला तोड़कर ख़त्म हुआ। **फ़ार्मा आगे रहा**, 6% से ज़्यादा ऊपर, **विदेशी संस्थाएँ लौटीं** और शुद्ध **₹3,599 करोड़** डाले, और **Jio Platforms ₹1,358** पर सूचीबद्ध हुआ, ₹1,119 के इश्यू भाव के मुक़ाबले — **21.36%** प्रीमियम और क़रीब ₹12.5 लाख करोड़ का बाज़ार मूल्य। IT की बिकवाली और कच्चा तेल बोझ रहे। साप्ताहिक बदलाव पर यह अख़बार एक आँकड़ा छापता है और वजह बताना बनता है: स्रोत निफ्टी की बढ़त **2.59%** और **2%** दोनों बताते हैं, और सेंसेक्स की **1.83%** तथा **1.60%** — क्योंकि उनकी असहमति *पिछले* शुक्रवार के बंद भाव पर है, इस वाले पर नहीं। एक तरफ़ 23 अक्तूबर के लिए 22,471.65 है; इस अख़बार ने 22,600.00 छापा था, और छोटे प्रतिशत उसी से मेल खाते हैं। हम हफ़्ते को हफ़्ता बताकर छाप रहे हैं — वही जो हमने कहा था कि करेंगे।

राजस्थान · RIICO

अक्तूबर में दो और खिड़कियाँ खुलीं और बंद हुईं। दोनों तीन हफ़्ते से कम चलीं

Direct Allotment का 14वाँ चरण 12 अक्तूबर को बंद · जोधपुर-पाली-मारवाड़ 31 अक्तूबर को

यह सिलसिला अब तीन महीने पुराना है, और और यह अब बदक़िस्मती नहीं है। अक्तूबर के भीतर RIICO की दो खिड़कियाँ खुलीं और बंद हुईं। RR MoU वालों के लिए Direct Allotment Policy का **चौदहवाँ चरण 12 अक्तूबर** को बंद हुआ। **जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र** के आवेदन — **30 भूखंडों** का direct allotment, जिनमें 28 औद्योगिक और 2 मोटल या रेस्तराँ के — **31 अक्तूबर** यानी कल बंद हो गए। औद्योगिक और ग़ैर-औद्योगिक भूखंडों की e-auction, तथा किराए के भूखंडों और बने-बनाए modules का EMD, दोनों 13 और 14 अक्तूबर को बंद हुए। इनमें से हर एक घोषित होकर क़रीब पखवाड़े भर में बंद हो गया।

इस अख़बार ने अंक 11 में पाठकों से कहा था कि अगले दौर का चरण नंबर और आवेदन की खिड़की पूछिए, क्योंकि चरण नंबर डायरी में लिखा जा सकता है और "जल्दी" नहीं। चौदहवाँ चरण उसी सवाल का जवाब है और वह निकल भी चुका। तीन महीने एक ही बात छापने के बाद ईमानदार नतीजा यह है कि बाद में पूछने से दो हफ़्ते का फ़ासला नहीं भरता: काम करने वाला अकेला तरीक़ा यह है कि हर महीने एक तय दिन आप ख़ुद RIICO का portal देखें — क्योंकि वह किसी भी घोषणा के आप तक पहुँचने से तेज़ है।

उसी साइट पर एक अलग बात है जिस पर पैराग्राफ़ से ज़्यादा एक फ़ोन बनता है, क्योंकि यह अख़बार मूल आदेश नहीं देख पाया है। RIICO की वेबसाइट बताती है कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के **Consent to Establish और Consent to Operate** से जुड़ा एक circular **वापस ले लिया गया** है। consent वैकल्पिक नहीं है, और वापस लिया गया circular यह बदल सकता है कि यूनिट को क्या और कब देना है। अगर आपका CTE या CTO किसी हालिया circular के तहत जारी हुआ है, या उसी के भरोसे आवेदन किया गया है, तो भरोसा करने से पहले अपनी स्थिति सीधे **राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल** से पक्की कीजिए — हम इसे बता रहे हैं, इसकी व्याख्या नहीं कर रहे।

आपको क्या करना है

हर महीने के पहले कामकाजी दिन का दोहराने वाला reminder लगाइए कि आप ख़ुद riico.rajasthan.gov.in खोलकर सूचनाओं का पन्ना पढ़ें। पूरा तरीक़ा यही है, और तीन महीने में इस कॉलम को इससे बेहतर नहीं मिला। अलग से, इस हफ़्ते **RSPCB** को एक फ़ोन करके अपनी consent की स्थिति पक्की कीजिए, क्योंकि CTE और CTO से जुड़ा एक circular वापस लिया गया है — जो consent माँगने पर आप दिखा न सकें वह यूनिट बंद होने का ख़तरा है, और इस पन्ने पर करने लायक़ सबसे सस्ता फ़ोन यही है।

स्टार्टअप की खबरें

26 – 30 अक्तूबर 2026 · Inc42 का हिसाब

- शक्ल उलट गई। **32 स्टार्टअप** ने **$130.2 मिलियन** जुटाए — पैसा हफ़्ते भर में **29.2%** नीचे, मगर सौदों की गिनती **88%** ऊपर, 17 से। औसत चेक क़रीब $10.8 मिलियन से घटकर क़रीब $4.1 मिलियन। कंपनियाँ ज़्यादा, हर एक को बहुत कम: सितम्बर में इसी कॉलम ने जो पैटर्न बताया था, उसका उल्टा।
- **ई-कॉमर्स दोनों हिसाब से आगे** — नौ सौदे और **$33.4 मिलियन**, जिसका बड़ा हिस्सा **Troovy** और **Ace Blend** से आया। तालिका के दूसरे सिरे पर चेक सचमुच बहुत छोटे हैं: **CopperPilot** ने $3,90,000 और **Qiroko** ने $1,57,000 जुटाए, दोनों pre-seed। बत्तीस सौदों और $4 मिलियन औसत वाला हफ़्ता seed का बाज़ार है, growth का नहीं।
- यह कॉलम अब अपने स्रोत का नाम लिखता है, क्योंकि पिछले अंक में नहीं लिखा था और लिखना चाहिए था। ये आँकड़े **Inc42** के हैं। पिछले हफ़्ते के लिए इन्हीं तीन trackers ने 17 में $184 मिलियन (Inc42), 22 में $245.9 मिलियन (Tracxn, ET के ज़रिये) और 15 में $133.9 मिलियन (Entrackr) बताया — एक हफ़्ते के लिए $112 मिलियन का फ़ासला। हफ़्तों की तुलना एक ही tracker के भीतर कीजिए; दो के आर-पार कभी नहीं।

संदर्भ · आने वाले हफ़्ते

नवंबर दिवाली में एक हफ़्ता गँवाता है और फिर भी छह तारीख़ें ढोता है

1 नवंबर से 4 दिसंबर 2026

पहले कामकाजी दिन गिनिए, और तो महीना अलग दिखता है। **दिवाली 8 नवंबर को है**, और त्योहारी छुट्टी पहले पखवाड़े से कामकाजी दिन निकाल देती है, ठीक जब filing की दौड़ शुरू होती है। तारीख़ें ख़ुद: **7 नवंबर** अक्तूबर का TDS भुगतान, **11 नवंबर** GSTR-1, **12 नवंबर** अक्तूबर का CPI, **15 नवंबर** Q2 के TDS certificates Form 16A में, **16 नवंबर** अक्तूबर का WPI, **20 नवंबर** GSTR-3B, **21 नवंबर** ऑडिट वालों की ITR, **30 नवंबर** जहाँ section 92E लागू है वहाँ की ITR। फिर **2 से 4 दिसंबर** MPC है।

इनमें दो deadline नहीं हैं और बाक़ी ज़्यादातर deadline से ज़्यादा मायने रखेंगी। **12 नवंबर** को अक्तूबर का CPI और **16 नवंबर** को अक्तूबर का WPI आएगा — पहले सरकारी लागत आँकड़े जिनमें इस महीने का कच्चा तेल होगा, क्योंकि सितम्बर के आँकड़े तब लिए गए थे जब ब्रेंट $102.70 के पास था और अक्तूबर उसने $113 से $117 के बीच बिताया है। अगर इनमें से कोई आँकड़ा उस दिन आपको चौंकाए, तो आपको बाज़ार से पाँच हफ़्ते बाद पता चला। और **2–4 दिसंबर की MPC** उस महीने के आख़िर में है जिसमें बॉन्ड बाज़ार पिछली नीति से ज़्यादा हिल चुका है; कुछ अर्थशास्त्री बड़े क़दम की बात कर रहे हैं।

एक तारीख़ अनुपालन की नहीं, बाज़ार की घटना है और फिर भी डायरी में बनती है। एक्सचेंज **रविवार 8 नवंबर** को **दोपहर 2:20 से 3:30** तक **मुहूर्त कारोबार** करेंगे, pre-open 2:05 से — उनहत्तर साल में पहली बार **दोपहर** के सत्र में। यह संवत 2083 खोलेगा। इसमें किसी से कुछ अपेक्षित नहीं है; यह बस इस साल का वह अकेला रविवार है जिस दिन दिया गया ऑर्डर लगेगा।

इस हफ़्ते का सवाल

हर अंक में एक

"31 अक्तूबर तक self-assessment tax का इंतज़ाम नहीं हो पाया। मेरे accountant कह रहे हैं कि 21 नवंबर को return के साथ भर दीजिए। क्या यह ठीक है?"

यह सुविधाजनक है और सबसे सस्ता नहीं — और फ़र्क़ ज़्यादातर लोगों की उम्मीद से बड़ा है, एक नियम की वजह से: **section 234A** और **section 234B** दोनों का ब्याज 1% प्रति माह है और **महीने का कोई भी हिस्सा पूरा महीना गिना जाता है**। तो सवाल 21 नवंबर बनाम आज का नहीं है; सवाल यह है कि पैसा किस कैलेंडर महीने में चलता है। **30 नवंबर** तक कभी भी किया भुगतान और 1 दिसंबर का भुगतान, दोनों धाराओं पर पूरे एक महीने के ब्याज से अलग हैं — ₹10 लाख के टैक्स पर एक दिन की चूक पर यह क़रीब ₹20,000 है। इससे तीन बातें निकलती हैं। पहली, हिसाब आख़िरी होने का इंतज़ार किए बिना जितना भर सकें अभी भरिए: 234B कमी पर लगता है, इसलिए आंशिक भुगतान भी आधार घटा देता है, भले पूरा न चुके। दूसरी, भुगतान से 234A नहीं रुकता — वह **return देने** तक चलता है, इसलिए भर देने के बाद भी देर से filing महँगी पड़ती है। दोनों घड़ियाँ रोकनी होती हैं, और filing दोनों रोकती है। तीसरी, तय करने से पहले हिसाब रुपयों में माँगिए: आपके accountant आज की तारीख़ के 234A और 234B के आँकड़े दस मिनट में दे सकते हैं, और वह रक़म आम तौर पर या तो इतनी छोटी निकलती है कि चिंता छोड़ दें, या इतनी बड़ी कि इसी हफ़्ते निपटा दें। महँगा रास्ता इन दोनों में से कोई नहीं है — महँगा रास्ता है 21 तक उसे बिना नापे छोड़ देना और महीना बदलने के बाद जवाब पता चलना।

अपना सवाल भेजिए — हर अंक में एक का जवाब देते हैं

आपको क्या करना है

पहले पखवाड़े का काम दिवाली से पहले कीजिए, बाद में नहीं। **7 नवंबर** का TDS और **11 नवंबर** की GSTR-1 छुट्टी के दोनों तरफ़ बैठे हैं, और जो दफ़्तर उन्हें 6 और 10 को भर देता है वह कुछ नहीं गँवाता, जबकि जो उसी दिन भरने की सोचता है उसे आधे लोग ग़ायब मिलते हैं। फिर **12 और 16 नवंबर** को पढ़ने की नहीं, फ़ैसले की तारीख़ मानिए: अक्तूबर का CPI और WPI जो भी छापें, आपके अपने दाम उस कच्चे तेल के हिसाब से पहले ही हिल चुके होने चाहिए जो पूरे महीने सामने था।

इकॉनमी एक नज़र में

GST सकल (अक्तूबर)		₹2.31 lakh cr
घरेलू / आयात		+15.8% / +42.2%
कोर सेक्टर (सितम्बर)		7.9%
10 साल की G-sec	~7.40%	30 अक्तूबर को स्रोतों में 7.375–7.43%
ब्रेंट कच्चा तेल	~$113	$116.72 से; 2 अक्तूबर से अब भी 10% ऊपर
रेपो रेट		5.50%

PIB और वित्त मंत्रालय (GST, 1 नवंबर), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (कोर सेक्टर, 22 अक्तूबर), Trading Economics और Investing.com (यील्ड, ब्रेंट), RBI (नीति)। 30 अक्तूबर के लिए 10 साल की यील्ड श्रृंखला के हिसाब से 7.375% से 7.43% के बीच बताई गई है, और ब्रेंट $112.33 से $113.43 के बीच; यह तालिका गोल आँकड़ा रखती है और फ़ासले का नाम लेती है — ऐसी सटीकता का दावा नहीं करती जो स्रोतों के पास है ही नहीं।

हमने क्या कहा, और हुआ क्या

पिछला अंक, रिकॉर्ड से मिलाकर

ग़लत निकला अंक 11 · स्टार्टअप

> "17 स्टार्टअप ने $184 मिलियन से ज़्यादा जुटाए" — हफ़्ते के आँकड़े के तौर पर छपा।

अब तीन स्रोत उसी हफ़्ते को **$184 मिलियन / 17**, **$245.9 मिलियन / 22** और **$133.9 मिलियन / 15** बताते हैं। हमने तीन में से एक को ऐसे छापा जैसे वही आँकड़ा हो — उसी अंक में, जो बाक़ी जगह असहमति का नाम लेने पर अड़ा था। अब स्टार्टअप के आँकड़ों के साथ स्रोत का नाम रहेगा।

आधा सही अंक 11 · बड़ी खबर

> "RBI ने 25 अंक बढ़ाए। बाज़ार 28 और जोड़ चुका है" — 23 अक्तूबर को 10 साल की यील्ड 7.474%, लगातार दसवाँ चढ़ता हफ़्ता।

दिशा टिकी, सटीकता नहीं। 30 अक्तूबर को स्रोत 10 साल की यील्ड **7.375% से 7.43%** के बीच बताते हैं — वह नरम हुई — और एक स्रोत चढ़ने के सिलसिले को **आठ** हफ़्ते गिनता है, जबकि हमने दूसरे से दस छापा था। अलग स्रोत अलग benchmark बॉन्ड बोलते हैं। आगे से यह अख़बार श्रृंखला का नाम लिखेगा।

सही निकला अंक 11 · GST

> "सिफ़ारिश नियम नहीं होती। आपके software ने वह credit खोल दिया हो तो अभी पलट दीजिए।"

काउंसिल को चौबीस दिन, अब भी कोई अधिसूचना नहीं — और अब अक्तूबर के रिकॉर्ड संग्रह को सुधारों के काम करने का सबूत बताया जा रहा है, जबकि उनमें से कोई लागू ही नहीं है।

सही निकला अंक 11 · लागत

> "सोमवार से हर quotation में ईंधन का clause डालिए।"

ब्रेंट $116.72 से नरम होकर क़रीब **$113** पर आया। clause उस दिशा में भी बचाता है: जिसने दाम $116 पर पक्के कर लिए वह अब ज़्यादा quote कर रहा है, और जिसके पास clause है वह नहीं। यह वह सूरत है जिसके लिए हमने उसकी वकालत नहीं की थी।

हर अंक में छपता है। पिछला रिकॉर्ड archive में है। अगर कोई बात इस खाने से छूट गई है जो आपको लगती है कि तुलनी चाहिए, लिख भेजिए — अगले हफ़्ते तुलेगी, उनमें वे भी जो हमारे ख़िलाफ़ जाती हैं।

इनमें से कोई खबर आप पर लागू होती है ?

बस एक मैसेज कीजिए। हम बता देंगे कि आप पर क्या लागू होता है, कब तक करना है, और किस बात की चिंता नहीं करनी। फिक्स्ड मंथली फीस, कोई लॉक-इन नहीं, नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे — जैसे 1,100+ MSME के साथ पहले से कर रहे हैं।

लोग हमारे पास क्यों आते हैं

- फिक्स्ड मंथली फीस — न छुपा चार्ज, न लॉक-इन
- सब कुछ WhatsApp पर। नोटिस आया तो वो भी हम देखेंगे।
- 7 दिन में books बंद, हर महीने P&L डैशबोर्ड

किसी कारोबारी के काम की है? आगे भेज दीजिए।

The Consulting Crew

theconsultingcrew.in
hello@theconsultingcrew.in
WhatsApp +919251022710
जयपुर · पूरे भारत में

हम क्या करते हैं

GST · इनकम टैक्स · TDS · ROC · पेरोल · CFO सलाह · कंपनी और LLP रजिस्ट्रेशन

अगला अंक

रविवार, 8 नवम्बर 2026

पिछले अंक

हर अंक, मुफ़्त

THECONSULTINGCREW.IN

खबरें कहाँ से

अक्तूबर का GST संग्रह, और उसके नीचे का बँटवारा — APAC News Network — ₹2.31 lakh crore, up 22.9%, with the domestic and import split, Ommcom News — collections jump nearly 23% in October, Dainik Jagran English — the 22.9% figure and the April–October total · GST सुधार — 8 अक्तूबर को सिफ़ारिश, अधिसूचना कभी नहीं — TaxO — CBIC's FAQs of 9 October on the 57th Council's recommendations, TaxGuru — analysis of the 57th Council meeting · उत्पादन — कोर सेक्टर 30 महीने के शिखर पर — Business Today — core sector growth accelerates to 7.9%, refinery output up 10.3%, SteelOrbis — the 30-month high, with the industry breakdown, Policy Circle — where the growth conceals weakness · कर्ज़ — एक हाथ से बॉन्ड बिक्री, दूसरे से repo नीलामी — Kotak Neo — the 10-year at a three-year high, and the RBI's liquidity measures, Bondskart — the ₹25,000 crore sale, daily CRR maintenance and the FX link, Trading Economics — the 10-year at 7.40% on 30 October · व्यापार — सौदा, और अब उसे रोकने वाला जनाधार — US News / Reuters — Goyal says the deal will not hurt farmers (29 October), Bloomberg — Trump says the deal is 'pretty close' (20 October), Bloomberg — officials signalled an impasse on 5 October · राजस्थान — दो खिड़कियाँ, और वापस लिया गया consent circular — RIICO — the notices page, which is the only reliable way to catch a window, Business Standard — ₹569 crore from 128 investors, and the 500-plot e-auction · बाज़ार — हफ़्ता, listing, और विवादित आधार — HDFC Sky — the weekly review: Nifty +2.59%, pharma +6.1%, FIIs back with ₹3,599 crore, Navia — the same week, with the smaller weekly percentages, Upstox — Jio Platforms lists at a 21% premium and settles 4.5% higher · स्टार्टअप — और यह कॉलम अब अपने tracker का नाम क्यों लिखता है — Inc42 — $130.2 mn across 32 startups, 26–30 October, Inc42 — the previous week's $184 mn across 17, iTechGuides / ET — Tracxn's $245.9 mn for that same week

ज़रूरी सूचना। यह अख़बार The Consulting Crew अपने क्लाइंट और जान-पहचान वालों की जानकारी के लिए निकालता है। यह कोई कानूनी, टैक्स या निवेश की सलाह नहीं है, और इसे पढ़ने से हमारा-आपका क्लाइंट रिश्ता नहीं बनता। आँकड़े, दरें और तारीख़ें छपने के दिन तक की हैं और सरकार के नोटिफिकेशन से बदल सकती हैं। कुछ भी करने से पहले अपने केस के हिसाब से हमसे एक बार पूछ लीजिए। बाज़ार के आँकड़े सिर्फ़ जानकारी के लिए हैं, कोई शेयर खरीदने या बेचने की सलाह नहीं।